नवभारत
भोपाल, बुधवार 18 फरवरी 2026

कहीं बिजली नहीं तो कहीं बिल दे रहे झटके

गुना में गहराया बिजली का संकट, आम लोगों के साथ ही राजनीतिक दलों का कलेक्ट्रेट में हल्ला बोल

नवभारत न्यूज

गुना 17 फर. का। जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई और सड़कों पर उतरते विरोध प्रदर्शनों ने मंगलवार को जिले की चरमराई बिजली व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। एक ओर जहां शहर की नई कॉलोनियां पिछले 5 वर्षों से अंधेरे में रहने को मजबूर हैं, वहीं दूसरी ओर भारी-भरकम बिजली बिलों और स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। जिले के विभिन्न हिस्सों से आए ये मामले दशार्ते हैं कि बिजली विभाग और उपभोक्ताओं के बीच संवाद और सुविधाओं की कितनी बड़ी खाई पैदा हो गई है।

शहर के जानकीपुरम और पुरानी छावनी क्षेत्र की राधे कॉलोनी के रहवासी पिछले पांच वर्षों से बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के लिए तरस रहे हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में इन कॉलोनियों के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में अपनी पीड़ा बताते हुए स्थाई बिजली कनेक्शन मुहैया कराने की गुहार लगाई। रहवासियों का कहना है कि साल 2018 में ये कॉलोनियां अस्तित्व में आई थीं, लेकिन विडंबना यह है कि आज तक यहां बिजली के खंभे तक नहीं लग पाए हैं। स्थाई कनेक्शन न होने के कारण लोग जैसे-तैसे दूर-दराज से अस्थाई तारों के जरिए बिजली खींचने को मजबूर हैं, लेकिन यहां भी उनकी मुश्किलें कम नहीं होतीं। बिजली कंपनी के कर्मचारी अक्सर इन तारों को काटकर ले जाते हैं, जिससे पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता है। पीड़ितों का तर्क है कि वे नियमानुसार कनेक्शन लेने और बिल भरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन बिजली कंपनी खंभे न होने का हवाला देकर हाथ खड़े कर रही है।

कंपनी की शर्त है कि या तो कॉलोनाइजर खंभे लगवाए या फिर रहवासी स्वयं अपने खर्च पर व्यवस्था करें। कॉलोनाइजर और विभाग की इस खींचतान के बीच आम जनता को 'सम्मानजनक जीवन' के अधिकार से वंचित रखा जा रहा है।

कागजी' मीटर और 80 हजार का झटका

प्रदेशव्यापी आह्वान पर एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा 12 से 17 फरवरी तक चलाए जा रहे विरोध प्रदर्शन के अंतिम चरण में बिजली की बढ़ती दरों और निजीकरण के खिलाफ हुंकार भरी गई। इस प्रदर्शन के दौरान बिजली विभाग की एक हास्यास्पद लेकिन दर्दनाक लापरवाही उजागर हुई। ग्राम सोजना से आए ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में अभी तक बिजली के तार तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन विभाग ने वहां मीटर लगा दिए हैं। यह बिजली कंपनी की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है कि बिना बिजली आपूर्ति के मीटर लगाने का क्या औचित्य है। वहीं वार्ड 23 इस्लामिया कॉलोनी की निवासी फरीदा का मामला बिजली विभाग की तानाशाही को दशार्ता है। फरीदा ने बताया कि उनके घर में जबरन स्मार्ट मीटर लगाने का उन्होंने विरोध किया था, जिसके 'पुरस्कार' स्वरूप विभाग ने उन्हें 6 महीने का 80 हजार रुपए का बिजली बिल थमा दिया। यह मामला स्पष्ट करता है कि स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता और बिलिंग प्रणाली में कितनी बड़ी खामियां हैं, जो आम आदमी को आर्थिक रूप से तबाह कर रही हैं।

बुनियादी सुविधाओं का अभाव और आगामी संघर्ष

एसयूसीआई के इस आंदोलन में बिजली के अलावा साफ पानी की कमी, सरकारी स्कूलों को बंद करने की योजना और अस्पतालों की बदहाली जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया। संगठन का आरोप है कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्रों का निजीकरण कर आम जनता को पूंजीपतियों के हवाले करना चाहती है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि बिजली बिलों की गड़बड़ी और जनविरोधी नीतियों में सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

डॉक्टर की लापरवाही से मासूम का हाथ गला न्याय के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचा पीड़ित परिवार

नवभारत न्यूज

गुना 17 फर. का। जिला मुख्यालय पर हुई जनसुनवाई में एक पिता ने अपने मासूम बेटे के उपचार के दौरान एक चिकित्सक पर लापरवाही बरतने और अब चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

दरअसल, लटेरी तहसील के ग्राम उनारसी कलां निवासी राजेश अहिरवार ने गुना कलेक्टर से अपने 4 साल के मासूम बेटे आर्यन को लेकर न्याय की गुहार लगाते हुए आरोन में पदस्थ सरकारी डॉक्टर द्वारा संचालित निजी क्लीनिक पर इलाज के दौरान बरती गई घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। राजेश का कहना है कि उनके बेटे को सामान्य सर्दी, जुकाम और खांसी की शिकायत थी, जिसके उपचार के लिए वे उसे आरोन में पदस्थ डॉ. महेश राजपूत के निजी क्लीनिक पर ले गए थे। उपचार के दौरान डॉक्टर ने बच्चे के हाथ में ड्रिप चढ़ाने के लिए एक मशीन लगाई थी, जिसे गलत तरीके से लगाए जाने के कारण बच्चे के कोमल हाथ में संक्रमण फैल गया और धीरे-धीरे हाथ गलने लगा। राजेश अहिरवार ने बताया कि जब उन्होंने बच्चे की बिगड़ती हालत को लेकर डॉक्टर से बात की और विरोध दर्ज कराया, तो डॉक्टर सहानुभूति दिखाने के बजाय पीड़ित परिवार के साथ विवाद करने पर उतारू हो गए। संक्रमण इस हद तक बढ़ गया था कि मासूम आर्यन के हाथ का ऑपरेशन तक कराना पड़ा। हालांकि, बाद में संबंधित डॉक्टर ने खुद बच्चे का इलाज भी करवाया, लेकिन तब तक बच्चे को असहनीय पीड़ा और गंभीर शारीरिक क्षति का सामना करना पड़ा था। 22 नवंबर से चल रहे इस मानसिक और शारीरिक कष्ट के बाद, अब पीड़ित पिता ने प्रशासन से न्याय की मांग की है। कलेक्ट्रेट में आवेदन देते हुए राजेश ने डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी अन्य मासूम के साथ इस तरह की लापरवाही न दोहराई जाए। इस मामले ने एक बार फिर निजी क्लीनिकों में दी जा रही उपचार सुविधाओं और सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल प्रशासन ने मामले की जांच के बाद उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

जागरूकता शिविर का सफल आयोजन

गुना। भारत सरकार एवं जिला प्रशासन के सहयोग से आकांक्षी ब्लॉक बमोरी में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सभागृह, जनपद पंचायत कार्यालय बमोरी में किया गया। कार्यक्रम में जिले के चयनित 150 से अधिक पीएम विश्वकर्मा हितग्राहियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह कार्यक्रम एमएसएमई मंत्रालय के विकास आयुक्त कार्यालय, शाखा एमएसएमई विकास कार्यालय ग्वालियर के प्रभारी श्री राजीव कुमार (उप-निदेशक), जनपद पंचायत बमोरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पुष्पेंद्र व्यास, जिला अग्रणी प्रबंधक अजय पाल सिंह राजपूत, आकांक्षी ब्लॉक फैलो (नीति आयोग) मयंक पांडे तथा जिला ग्रामउद्योग अधिकारी श्री एम.एम. देशपांडे के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि वक्ताओं द्वारा प्रतिभागियों को उद्यमिता विकास, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, वित्तीय सहायता, व्यवसायिक योजना निर्माण, बाजार की खोज एवं प्रभावी मार्केटिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

ट्रक की टक्कर से बाइक चकनाचूर, तीन लोग गंभीर घायल

गुना। धरनावदा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हिलगना के पास मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। एक तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल पूरी तरह चकनाचूर हो गई और तीनों युवक ट्रक के नीचे आ गए।

जानकारी के अनुसार, पुरेना निवासी 20 वर्षीय सानू यादव अपने दादा रामदयाल यादव (70 वर्ष) और गंगाराम यादव (55 वर्ष) के साथ गुना से वापस अपने गांव लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि वे बुजुर्ग दादा की आंखों का ऑपरेशन करवाकर घर जा रहे थे, तभी दोपहर करीब 3 बजे हिलगना के पास सामने से आ रहे ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में गनीमत यह रही कि किसी की जान नहीं गई, लेकिन तीनों को गंभीर चोटें आई हैं। 70 वर्षीय रामदयाल यादव की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है, वहीं गंगाराम यादव के पैर में गंभीर फ्रैक्चर बताया जा रहा है। सानू यादव को भी चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

शहर में भारत माता के प्रचार रथ पर हमला और तोड़फोड़

गुना। शहर के भुल्लनपुरा निर्माणाधीन भारत माता मंदिर की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए निकाले जा रहे प्रचार रथ के साथ विनायक खेड़ी क्षेत्र में तोड़फोड़ और कार्यकर्ताओं से मारपीट की गंभीर घटना सामने आई है। सोमवार शाम करीब 7 बजे हुई इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई।

ब्लू फोर्स मानव एकता संघ के अध्यक्ष सौरभ गौतम ने आरोप लगाया है कि जब उनका प्रचार रथ विनायकखेड़ी की राजाराम कॉलोनी से गुजर रहा था, तब कुछ

पुलिस कार्रवाई को लेकर ब्लू फोर्स कार्यकर्ताओं में रोष

स्थानीय ग्रामीणों ने कार्यकर्ताओं पर हमला बोल दिया और रथ में जमकर तोड़फोड़ की। घटना की शुरूआत रथ पर बजाए जा रहे एक गाने को लेकर हुई, जिस पर कॉलोनी के कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। कार्यकर्ताओं का दावा है कि आपत्ति के बाद उन्होंने तत्काल गाना बंद कर दिया था, लेकिन इसी बीच एक व्यक्ति ने आकर गाली-गलौज शुरू कर दी और कार्यकर्ता वीर सिंह अहिरवार के साथ मारपीट की। देखते ही देखते 10 से 12 लोग हथियारों के साथ वहां पहुंच गए, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने एक घर में छिपकर अपनी जान बचाई। आरोप है कि उग्र भीड़ ने रथ पर लगे बैनर फाड़ दिए और वाहन को भी नुकसान पहुंचाया। इस पूरे मामले में पुलिस की भूमिका को लेकर संगठन के कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब उन्होंने मदद के लिए 112 नंबर पर कॉल किया, तो कैंट थाना पुलिस ने पीड़ितों की सुनने के बजाय उल्टा ब्लू फोर्स के अध्यक्ष सहित अन्य कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। संगठन का आरोप है कि पुलिस ने उनके तीन कार्यकर्ताओं पर गुंडा एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल, पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में संगठन के सदस्य लामबंद हो रहे हैं और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

जिला कौशल समिति की बैठक संपन्न

गुना। जिले के युवाओं को अधिक प्रशिक्षण और बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि 19 फरवरी 2026 को आईटीआई गुना में मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं, रोजगार प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों, वर्तमान में कार्यरत युवाओं तथा उनकी सैलरी और प्रगति का समग्र डेटा संकलित किया जाए, ताकि योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग हो सके। आईटीआई बमोरी में नए ट्रेड शुरू करने सहित स्टेनो हिंदी ट्रेड को एससीवीटी से एनसीवीटी में अपग्रेड करने होगी।

राघौगढ़ पुलिस ने बाइक के साथ पकड़ा तस्कर

गुना। पुलिस ने घेराबंदी कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है, जो मोटर साइकिल पर भारी मात्रा में अवैध कच्ची शराब ले जा रहा था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर और एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आनंद कुमार राय एवं उनकी टीम ने यह कार्रवाई की। 16 फरवरी को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मलियाटोड़ी रोड की ओर से एक व्यक्ति बाइक पर अवैध शराब लेकर आ रहा है। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान लक्ष्मीनारायण अहिरवार (निवासी ग्राम नादनेर) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसकी स्प्लेंडर बाइक से दो बड़ी केनों में भरी हुई

कुल 57 लीटर हाथ भट्टी की बनी अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि यह शराब वह कटरा मोहल्ला निवासी तेज सिंह मोंगिया को सप्लाई करने जा रहा था। पुलिस ने आरोपी लक्ष्मीनारायण को गिरफ्तार कर शराब और बाइक जप्त कर ली है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य सप्लायर तेज सिंह मोंगिया को भी आरोपी बनाया है।

दोनों के खिलाफ आबकारी एक्ट और बीएनएस की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। फरार आरोपी तेज सिंह की तलाश के लिए पुलिस द्वारा छापेमारी की जा रही है।

विद्यालयों में किशोर स्वास्थ्य सुदृढ़ करने शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

गुना। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में दक्ष फाउंडेशन जबलपुर के सहयोग से आयुष्मान भारत - उमंग स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था (डाइट) में हेल्थ एवं वैलनेस एम्बेसडर शिक्षकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का द्वितीय चरण दिनांक 16 फरवरी से 18 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य किशोर एवं किशोरियों से संबंधित शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक समस्याओं की पहचान एवं समाधान हेतु शिक्षकों को सक्षम बनाना है, जिससे वे विद्यालय स्तर पर हेल्थ एम्बेसडर की भूमिका प्रभावी रूप से निभा सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम डाइट प्राचार्य एस.के. वशिष्ठ के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। सुधीर शर्मा, राजीव शर्मा, नवल मिश्रा, प्रशांत श्रीवास्तव, अरुण रघुवंशी, नरेंद्र भारद्वाज एवं कुलदीप नामदेव द्वारा समूह चर्चा, रोल प्ले, प्रश्नोत्तरी एवं सहभागिता आधारित गतिविधियों के माध्यम से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जिला समन्वयक विनीता सोनी द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जेंडर संवेदनशीलता, मानसिक स्वास्थ्य एवं तंबाकू-मुक्त विद्यालयों के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

एसपी अंकित सोनी के कार्यों की प्रशंसा, शिवसेना ने कार्यालय पहुंचकर किया सम्मान

नवभारत न्यूज

गुना। जिले की कानून व्यवस्था में सुधार और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के प्रयासों को देखते हुए शिवसेना ने एसपी अंकित सोनी का सम्मान किया। मंगलवार को शिवसेना के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी एसपी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने एसपी अंकित सोनी की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

शिवसेना पदाधिकारियों का कहना है कि जबसे अंकित सोनी ने गुना जिले की कमान संभाली है, तब से जिले में अपराध ग्राफ में गिरावट आई है। संगठन ने पुलिस थानों की कार्यशैली में आए बदलाव पर संतोष जताते हुए कहा कि अब थानों में आमजन की सुनवाई बेहतर ढंग से होने लगी है। शिवसेना के मुताबिक, एसपी सोनी सभी वर्गों की समस्याओं को निष्पक्ष दृष्टिकोण से देखते हैं और त्वरित न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों में खौफ पैदा करने के लिए पुलिस प्रशासन का यह रवैया सराहनीय है। सम्मान कार्यक्रम के दौरान शिवसेना के कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने भविष्य में भी पुलिस प्रशासन से इसी तरह की पारदर्शी और सख्त कार्यप्रणाली की उम्मीद जताई।

विरोध प्रदर्शन चरणबद्ध आंदोलन शुरू, सभी तहसीलों में दिए गए ज्ञापन

वसूली के दबाव और निलंबन के खिलाफ पटवारियों का हल्लाबोल

नवभारत न्यूज

गुना 17 फर. का। जिले में किसानों से अर्थदंड वसूली को लेकर राजस्व अधिकारियों और पटवारियों के बीच ठन गई है। राजस्व अधिकारियों द्वारा बनाए जा रहे कथित अनावश्यक दबाव और चार पटवारियों के निलंबन के विरोध में जिलेभर के पटवारी लामबंद हो गए हैं। सोमवार को जिले की सभी तहसीलों आरोन, बमोरी, गुना, राघोगढ़, मकसूदानगढ़, चाचौड़ा और कुंभराज—के पटवारी संघ अध्यक्षों ने तहसीलदारों को ज्ञापन सौंपकर अपने कड़े विरोध का प्रदर्शन किया और निलंबित साथियों की बहाली की मांग की है।

विवाद की मुख्य जड़ गुना तहसील के पटवारी राधेश्याम शर्मा व कुंभराज क्षेत्र के रविंद्र आर्य रानू प्रजापति और मकसूदानगढ़ के गोविंद ठाकुर का निलंबन बताया जा रहा है, जिन्हें वसूली लक्ष्य पूरा न करने के आधार पर सेवा से ही पृथक कर दिया गया है। पटवारियों का आरोप है कि खरीफ सीजन में मक्का की फसल बर्बाद होने के बावजूद राजस्व अधिकारी संवेदनहीनता दिखा रहे हैं।

उन्होंने मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 144 का हवाला देते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में वसूली स्थगित की जानी चाहिए थी, लेकिन अधिकारी नियमों को ताक पर रखकर दबाव बना रहे हैं। साथ ही, पटवारियों ने स्पष्ट किया कि धारा 248 के तहत अर्थदंड वसूली का वैधानिक अधिकार केवल तहसीलदार को है, न कि पटवारियों को। पटवारी संघ गुना के जिलाध्यक्ष महेंद्रसिंह किरार ने आंदोलन की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि विरोध स्वरूप 16 और 17 फरवरी को सभी पटवारी काली पट्टी बांधकर अपना काम करेंगे।

यदि इसके बाद भी प्रशासन ने निलंबन वापस नहीं लिया, तो 18 से 20 फरवरी तक तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश रखा जाएगा। इसके बावजूद मांगें अनसुनी रहने पर 23 फरवरी से जिलेभर में अनिश्चितकालीन 'कलमबंद हड़ताल' शुरू की जाएगी।

उपस्थित पटवारियों का कहना है कि प्रशासन उन्हें किसानों के सामने ढाल बनाकर खड़ा कर रहा है, जिससे टकराव की स्थिति बन रही है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी राजस्व अधिकारियों की होगी।

एसपी ने सुनी जन समस्याएं, समयसीमा में निराकरण के दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

गुना। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी निराकरण के उद्देश्य से मंगलवार, 17 फरवरी 2026 को पुलिस कंट्रोल रूम के सभागृह में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतें सुनीं और उनके विधिवत निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए।

जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक झगड़े, मारपीट, धोखाधड़ी और साइबर अपराध से संबंधित कई मामले सामने आए। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक फरियादी की बात को संवेदनशीलता के साथ सुना। कुछ प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि अन्य मामलों में संबंधित थाना प्रभारियों और अनुविभागीय अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अंकित सोनी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और फरियादियों को की गई कार्यवाही से अवगत कराया जाए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर सहित जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी और थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

गैर-संचारी रोगों की रोकथाम प्रशिक्षण का आयोजन

गुना। गैर-संचारी रोगों की प्रभावी रोकथाम एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न। प्रशिक्षण में जिले की समस्त चिकित्सा संस्थाओं में कार्यरत मेडिकल ऑफिसर, स्टाफ नर्स एवं कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल हुए। प्रतिभागियों को एनसीडी स्क्रीनिंग की मानक प्रक्रिया, समय पर जांच, उपचार प्रोटोकॉल, ऑनलाइन डेटा एंट्री एवं रिपोर्टिंग प्रणाली की जानकारी दी गई, ताकि कार्यक्रम का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जा सके। गैर-संचारी रोगों के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाना तथा आम नागरिकों को समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।